मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXV संख्या 1 मुंबई जनवरी-मार्च 2018

I) अनुसंधान क्षेत्र से:

ए) आन्ध्र प्रदेश तट के समीप ओलिव रिडली समुद्री कछुआ लेपिडोचेलिस ओलिवेसिया की प्राप्ति

जनवरी और फरवरी' 2018 समुद्री यात्रा के दौरान, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापट्टणम से संबद्ध सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* को अक्षांश 16°उ से अक्षांश 19°उ (आंध्र प्रदेश तट) के क्षेत्र में समन्वेषी मात्स्यिकी सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया था । उपर्युक्त अवधि के दौरान, 57 नग *लेपिडोचेलिस ओलिवेसिया* (एस्कोल्टस, 1829) साधारणतया ओलिव रिडली समुद्री कछुआ के रुप में जाना जाता है, रिकार्ड किया गया। मादा लिंगानुपात में नर 1:2.2 (18 नर एवं 39 मादा) पाया गया था। दर्ज की गई प्रजातियों की पृष्ठ वर्म लंबाई 52-82 से.मी. के बीच थी और वजन 32-60 कि. ग्रा. के बीच भिन्न था। आवश्यक माप लेने के बाद उन्हें जीवित अवस्था में समुद्र में वापस छोड दिया गया।

भारत में समुद्री कछुए ट्रॉल मात्स्यिकी में उप पकड के रुप में पकडे जाते हैं। ओलिव रिडली समुद्री कछुए प्रजातियों को जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्रय प्रजातियों की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन (सी आई टी ई एस) द्वारा संरक्षित किया जाता है और प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ की लाल सूची में खतरनाक या लुप्तप्राय के रुप में सूचीबद्ध किया जाता है।

ओलिव रिडली समुद्री कछुए उत्तरी हिंद महासागर में व्यापक रुप से वितरित है। भारत के पूर्वी तट में, ओलिव रिडली समुद्री कछुए का घौंसला बनाने का प्रमुख स्थान ओडिशा तट (रुशिक्युल्या और गहीरमथा बीच) है। उन्हें घोंसले बनाने के मौसम के दौरान अक्सर आंध्रप्रदेश तट के समीप भी देखा जाता है। (नवंबर-जनवरी)

समुद्री कछुए की मृत्यु दर वाणिज्यिक मत्स्य परिचालन अर्थात् उपर्युक्त क्षेत्र में तलमज्जी ट्रॉलिंग के कारण होती है। ट्रॉल जाल में कछुए बहिष्कार उपकरण (टी ई डी) का उपयोग कछुओं की उपपकड और मृत्यु दर को कम करने में अत्यधिक उपयोगी होगी।

(श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री के सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

बी) महाराष्ट्र तट से सिपनकुलिड कीड़े का रिकार्ड

फरवरी 2018 माह में पोत *एम एफ वी सागरिका* द्वारा संचालित समन्वेषी मात्स्यिकी सर्वेक्षण से अक्षांश 17°उ के समीप सिपुनकुलिड बेड की उपस्थिति दर्ज की गई है क्योंकि प्रचालित बोट्टम ट्रॉल के सिंकर्स में विभिन्न आकार के फंसे हुए सिपनकुलिड पाया गया। दर्ज नमूने की औसत कुल लंबाई लगभग 11 से. मी. ट्रंक लंबाई के साथ 15 से. मी. है। इस क्षेत्र में जीव की महत्वपूर्ण उपस्थिति विविध मात्स्यिकी संसाधनों के सतत शोषण के लिए भारतीय जलक्षेत्र में समुद्री जीवित संसाधनों की खोज की अधिक केंद्रित आवश्यकता का ध्यान आकर्षित करती है।

सिपुनकुलिड कीड़े उथले जल में सामान्य है जिसमें अविभाजित सिलोमेट, द्विपक्षीय सिमेट्रिकल शामिल है और नरम शरीरवाले समुद्री और ज्वार मुहानीय पर्यावरण के रेतीले और कीचड आवासों में रहते है या एक विकृत मोलस्क कवच, फोरामिनिफेरा परीक्षण या पोलिकेट ट्यूब की सुरक्षात्मक आश्रय के अंदर रहते है। वे मूँगफली कीड़े के नाम से लोकप्रिय है। हालांकि एक छोटे समूह है, इस टैक्सन में जैविक विविधता की एक विस्तृत ऋंखला पाई गयी है। संघ को दो वर्गों में बांटा गया है जिसे आगे चार ऑर्डर और छह फैमिली में विभाजित किया गया है। कुल मिलाकर 17 वंश के अंतरगत 145 प्रजातियों को अब तक पाँच महासागरों से रिपोर्ट किया गया है। इनमें से 10 जेनेरा के अंतर्गत 35 प्रजातियों और 5 फैमिली भारतीय तट से रिपोर्ट किया गया है, जो कि विश्व के सिपुनकुलन प्रजातियों के 24.1% साझा करता है। अब तक ज्ञात प्राणीजात घटक मुख्य रुप से मुख्य भूमि और इंसुलर क्षेत्रों के तट के अंतर ज्वारीय बेल्ट से रिपोर्ट किया जाता है। यदि लिटोरल और सबलिटोरल क्षेत्रों का सही ढंग से पता लगाया जाता है तो प्रजातियों की अधिक संख्या की उम्मीद की जा सकती है।

जहाँ तक सिपुनकुलन जीवों के वितरण पैटर्न का संबंध प्रजातियों से है, प्रमुख केन्द्रित क्षेत्र अंडमान, निकोबार, लक्षद्विप, मन्नार की खाडी तमिलनाडु और गुजरात है । हालांकि भारतीय बाज़ार में खपत के लिए पसंदीदा वस्तु नहीं है, ये उत्तर पूर्व एशियाई देशों और दक्षिण पूर्व एशिया के विभिन्न द्विप राष्ट्रों में व्यापक रुप से उपयोग किए जाते हैं । भारत में बडे आकार की प्रजातियों का उपयोग विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए जैविक प्रयोगशाला में और जैविक अध्ययन के लिए शैक्षिक संस्थानों में उपयोग किया जाता है । इन्हें क्रमश: मछली चारा के रुप में लक्क्षद्विप और अंडमान जल में भी उपयोग किया जाता है ।

(श्री सोली सोलोमन, व. वैज्ञानिक सहायक, मार्मुगोवा बेस द्वारा सूचित)

सी) विशाखापट्ट्णम तटीय जल, दक्षिण पूर्व भारत से हनीकोम्ब स्टिंग्रे, हिमांतुरा उर्नाक की प्राप्ति

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस से संबंद्ध पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* के समन्वेषी सर्वेक्षण क्रूस के दौरान 15 फरवरी 2018 को विशाखापट्ट्णम तटीय जल (अक्षांश 17° 53.09’ उ और देशांतर 83° 37.9 पू के 40 मी गहराई में) से हनीकोम्ब स्टिंग्रे, *हिमांतुरा उर्नाक* के दो नमूने दर्ज किए गए ।

डेसीटिडे परिवार की प्रजाति *हिमांतुरा उर्नाक* उष्णकटिंबधीय और उपोष्णाकटिबंधीय अटलांटिक, हिंद महासागर और पेसिफिक समुद्र के समुद्री, खारे और मीठे जल निवास स्थान में व्यापक रुप से वितरित है । इस प्रजाति का मूल्यांकन आई यू सी एन लाल सूची श्रेणी पर असुरक्षित के रुप मे किया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण आकृतिमान माप अर्थात् डिस्क चौडाई-125 से.मी., डिस्क लंबाई-103 से.मी. और पूंछ लंबाई-200 से.मी. देखा गया ।

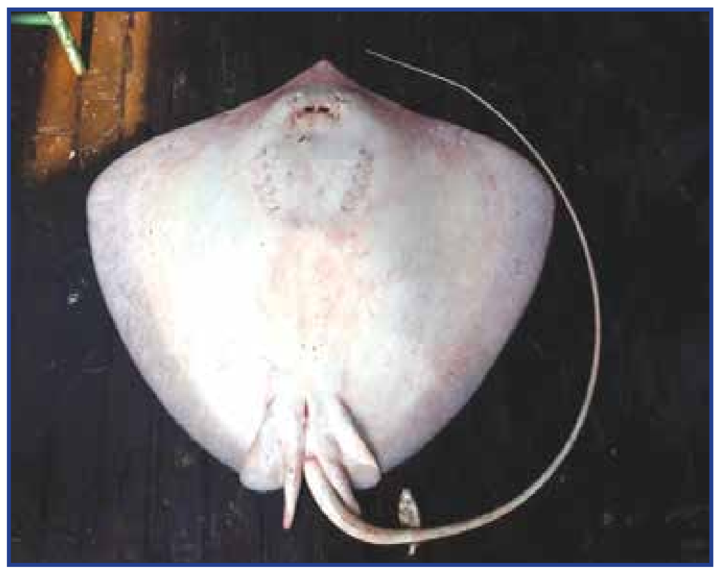

(श्री के सिलंबरासन, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स, विशाखापट्ट्णम बेस द्वारा सूचित)

डी) भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र से *लर्नेलियोफस स्ट्रिएटस* विल्सन सी. बी. 1913 का प्रथम रिकार्ड

लर्नेलियोफस स्ट्रिएटस पेन्नेलिड परिवार के बडे ऊतक अंत: स्थापित परजीवी कोपेपोड है । इस परजीवी का एक नमूना पोत *एम एफ*

वी ब्लू मार्लिन द्वारा अपने मार्च 2018 की समुद्री यात्रा के दौरान अंडमान समुद्र के पश्चिम भाग के अक्षांश 11° 16ʹ उ और देशांतर 91° 45ʹ पू से पकडी गई। यह नमुना 94 से.मी. लंबाई के बडी बैराकुडा, *स्पाइरेना बाराकुडा* से प्राप्त हुआ।

इस परजीवी का शरीर बांसुरी जैसे सेफलोसोम, गर्दन और धड़ में विभाजित है । सेफालोसम विशिष्ट डेन्ड्राइटिक बहिर्वेशन का वहन करता है और परपोषी शरीर में अंत: स्थापित है । कौडल रमी अनुपस्थित था । वर्तमान अवलोकन में परजीवी, परपोषी के गुदा पख के अग्रवर्ती भाग में अपने धड और कॉडल बहिर्वेशन के साथ पाया गया । सेफलोसम और डेनड्राइटिक बहिर्वेशन फीके लाल रंग के और धड और कॉडल बहिर्वेशन गहरे लाल रंग के थे ।

एल स्ट्रिएटस बडी संख्या में संक्रमण होने पर, परपोषी को काफ़ी नुकसान पहुँचा सकता है और कभी कभी घातक हो सकता है (*विल्लियम्स* और *बंकली-विल्लियम्स*, 1996) । इस परजीवी के होलोटाइप नमूने को जमैका से एकत्रित किया गया था और 1913 में वार्णित किया गया था और इसे फिर से कॅरीबियन समुद्र से 86 वर्ष के बाद विल्लियम्स और अन्य 1996) द्वारा खोजा गया। यह काम एल सुलतनस के अतिरिक्त, भारतीय समुद्र से जेनस लर्नेलियोफस में एक और परजीवी जुड़ता है।

(श्री एस नाशाद एम, व. वैज्ञानिक सहायक, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

।।) बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण:

कृषि उन्नति मेला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने दिनांक 16-19 मार्च 2018 के दौरान आई सी ए आर, पूसा, नई दिल्ली में संपन्न "कृषि उन्नति मेला" में भाग लिया । भा मा स के मुंबई बेस एवं विशाखापट्‌टणम बेस के अधिकारियों ने भा मा स की गतिविधियों को दर्शाते हुए प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर मेला में भाग लिया । माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग के सचिव श्री तरुण श्रीधर, आई ए

एस, संयुक्त सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भा मा स स्टॉल का दौरा किया । डॉ. पी. पॉल पान्डियन, एफ डी सी ने भा मा स स्टॉल का उद्घाटन किया । डॉ. एल. रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा)/महानिदेशक (प्रभारी) ने माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह और श्री बी किशोर, आई ए एस, संयुक्त कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का स्वागत किया और भा मा स ने अपनी स्थापना के बाद से विभिन्न मछली पकडने की विधि/सर्वेक्षण विधियों, पोस्टर, चार्टर और किए गए समर्पित कार्यों की व्याख्या की ।

बी) गहन समुद्री मत्स्यन में क्षमता निर्माण और परंपरागत मछुआरों को टूना लॉग लाइनिंग में प्रशिक्षण पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

चरण X **से** XI:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण और सिफनेट द्वारा संयुक्त रुप से क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और "परंपरागत मच्छुआरों को टूना लॉग लाइनिंग" पर प्रशिक्षण संचालित किया गया । राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद की वित्तीय सहायता के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

पोत मत्स्य दृष्टि पर लाइन की हॉलिंग में लगे प्रशिक्षणार्थी

भा मा स के चेन्नई बेस के वैज्ञानिकों को सिद्धांत कक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ।

पोत मत्स्य दृष्टि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान पोत की लॉग लाइन प्रक्रियाओं की शूटिंग दर्शाते हुए स्किपर ।

पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* पर 08.01.2018 से 29.01.2018 तक कुल 10 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें 5 दिन व्यक्तिगत प्रशिक्षण के लिए लगाया गया ।

सी) कोच्चिन बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस ने 19.01.2018 को ***"लक्षव्दीप समुद्र के महासागरीय संसाधनों के सतत उपयोग"*** पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला पुरातात्विक संग्रहालय के स्वर्ण जंयती हॉल, अगत्ती व्दीप, लक्षद्वीप में आयोजित की गई । प्रचुर मात्रा में महासागरीय मत्स्य संसाधनों का शोषण करने में विभिन्न पर्यावरण हितैषी मत्स्यन प्रणालियों, संसाधन उपलब्धता, संभाव्य मात्स्यिकी संसाधन पर सूचना प्रसारित करने हेतु अगत्ती द्वीप के स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री पी सी हमीद, उप जिलाधीश/उप मंडल अधिकारी, अगत्ती द्वीप द्वारा किया गया और अध्यक्षीय संबोधन श्रीमती साजिता ए पी. सभापति, ग्राम द्वीप पंचायत, अगत्ती द्वारा दिया गया । श्री के पी बी. अब्दुल्ला कोया, प्रिंसिपल/मात्स्यिकी के सहायक निदेशक के संपर्क अधिकारी, श्री एम. अब्दुल शुकूर, उप सभापति, ग्राम व्दीप पंचायत, अगत्ती उद्घाटन समारोह के लिए विशेष अतिथि रहे । श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, भा मा स के कोच्चिन बेस ने प्रमुख भाषण दिया और कार्यशाला का उद्देश्य, अधिदेश एवं भा मा स के संगठानात्मक ढ़ाँचा और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर संक्षिप्त जानकारी दी । तकनीकी सत्र के दौरान बेस के वैज्ञानिकों ने लक्षव्दीप समुद्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, सी सी आर एफ और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित व्याख्यान दिया । लक्ष्य समूह पर विचार करते हुए कार्यशाला की पूरी कार्यवाहियां स्थानीय भाषा (मलयामय) में थी । श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स, कोच्चिन बेस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया ।

अगत्ती द्वीप के स्थानीय निवासी और मछुआरे सहित कुल 117 प्रतिभागियों ने भी कार्यशाला में भाग लिया ।

III) आगंतुकों का दौरा:

- श्री पी श्रीनिवास राव, मात्स्यिकी उद्यमी ने 06.01.2018 को "भारत के पूर्वी तट में टूना संसाधनों का वितरण और

काकीनाडा से दूर समृद्ध मत्स्यन स्थान और मछलियों के वितरण" पर सूचना एकत्रित की ।

- सरकारी स्नातक कॉलेज, श्रीकाकुलम से बी एस सी (जीव विज्ञान) के तीसरे वर्ष के 60 छात्रों ने 10.01.2018 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय का दौरा किया । उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों और विविध नौचालन उपकरणों, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर एवं सहायक उपकरण इत्यादि के संबंध में बताया गया ।
- श्री पीटर सालधाना, टेकनो इंजिनियर, वाडेम, वास्को द गामा और श्री हम्बेर्ट एंटो, पी जी एल, ऑफशोर एन्टरप्राइजेस, वास्को द गामा ने अपने दौरे के दौरान वाणिज्यिक मत्स्यन हेतु एक नया मत्स्यन पोत का निर्माण के लिए सुझाव हेतु 18.01.2018 को मार्मुगोवा बेस का दौरा किया ।
- डॉ. ए. लक्ष्मीनारायण, सी एम एफ आर आई के पूर्व प्रिंसिपल वैज्ञानिक और मात्स्यिकी परामर्शदाता ने दो अधिकारियों के साथ 30.01.2018 को समुद्री संसाधनों पर सांख्यिकी आँकडा पर चर्चा करने हेतु भा मा स, मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया ।
- श्री माइकेल गामा, फादर एग्नेल कॉलेज ऑफ आर्टस ऑण्ड कॉमर्स, पिलर, गोवा ने समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों एवं भा मा स की गतिविधियों पर सूचना एकत्रित करने हेतु 31.01.2018 को मार्मुगोवा बेस का दौरा किया।
- सिफनेट, चेन्नई एवं विशाखापट्टणम के पोत नेवीगेटर और समुद्री फिटर कोर्स के 45 छात्र और 6 शिक्षकों ने एम ई डी कर्मशाला पोत एम एफ वी लवाणिका का 16.02.2018 को दौरा किया।
- श्री वेलबार वांग, प्रबंधक और श्रीमती हरजीत कौर गुलाटी, व्यापार उन्नति विशेषज्ञ, तायपेई विश्व व्यापार केंद्र, मुंबई ने मत्स्यन उद्योग में उपयोग किए जा रहे विविध नवीनतम उपकरणों पर चर्चा करने के लिए 21.02.2018 को भा मा स, मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया ।
- श्री जेहान नागपाल, मात्स्यिकी उद्यमी ने नई दिल्ली से दो सहकर्मी के साथ 21.02.2018 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और मध्य जल ट्रॉलिंग की व्यवहार्यता, महासागरीय मात्स्यिकी, मत्स्यन पोत पंजीकरण, मछलियों के मौसमी वितरण, बाजार का रूख और आंध्र प्रदेश में स्थिति और लॉजिस्टिक्स पर सूचना एकत्रित की ।
- सिफनेट, काकीनाडा के 29 विभागीय अधिकारियों ने 06.03.2018 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और उनको संगठानात्मक गतिविधियों के संबंध में और विभिन्न नौचालन उपकरणों, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर और उपकरणों आदि के बारे में बताया गया ।
- केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी अभियांत्रिकी और प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट), चेन्नई से 10 छात्रों ने 09.03.2018 को विशाखापट्टणम बेस और पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का दौरा किया और उनको संगठानात्मक गतिविधियों और विभिन्न नौचालन उपकरणों, फिशिंग गियर और उपकरणों के संबंध में बताया गया ।
- मात्स्यिकी कॉलेज, धोली, बिहार से 6 बी एफ एस सी छात्रों ने 12.03.2018 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और उनको संगठानात्मक गतिविधियों और विभिन्न नौचालन उपकरणों, फिशिंग जाल और उपकरणों के संबंध में बताया गया ।
- श्री पतीक गांधी, व. शहरी डिजाइनर, आई एन आई डिजाइन स्टुडिओं ने "भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन की प्रचुरता एवं वितरण", "विविध मछली पकडने के तरीके" और स्थानीय मछुआरों के सामाजिक आर्थिक स्थिति आदि पर सूचना एकत्रित करने हेतु 23.03.2018 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया।
- डॉ. पी पॉल पान्डियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग, नई दिल्ली ने कार्यालय के नवीकरण कार्य की प्रगति एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की समीक्षा करने हेतु 28.03.2018 भा मा स के विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया।

IV) मुंबई बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई बेस की परामर्शदात्री की 15 वीं बैठक 23.02.2018 को श्री गोविंद बोडके, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार की अध्यक्षता में भा मा स के मुंबई बेस में संपन्न हुई । डॉ. एल. रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा.) ने अध्यक्ष एवं परामर्शदात्री समूह के सभी सदस्यों का स्वागत किया और वर्ष 2018-19 के लिए सर्वेक्षण कार्यक्रम सूत्रबद्ध करने की ओर परामर्शदात्री समूह की बैठक का मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया

। परामर्शदात्री समूह के सदस्य डॉ. अनुलक्ष्मी चेल्लप्पन, वैज्ञानिक एवं प्रतिनिधि, सी एम एफ आर आई के मुंबई अनुसंधान केंद्र, श्री ए. एस तोसर, व. उप ट्राफिक प्रबंधक (परिचालन-आऊटलाईन क्षेत्र) मुंबई पोर्ट ट्रस्ट; श्री दिलीप पागधारे, अध्यक्ष, माहिम मच्छीमार वी के एस संघ, मुंबई; श्री अमोल योग. अध्यक्ष, रायगढ मछुआरा संघ, मुंबई और श्री बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) मुंबई बेस, भा मा स ने बैठक में भाग लिया । मुंबई बेस के 2018 -19 के प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम का अनुमोदन परामर्शदात्री समूह के अध्यक्ष द्वारा किया गया ।

मार्मुगोवा बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा क्षेत्रीय बेस की परामर्शदात्री समूह की 15वीं बैठक 02.02.2018 को श्री एच एस वीरप्पा गौडा, मात्स्यिकी निदेशक, कर्नाटक सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई । विविध संगठन जैसे कि मात्स्यिकी निदेशक, सी एस आई आर- एन आई ओ, आई सी ए आर-सी एम एफ आर आई, एम एम डी, गोवा शिपयार्ड से 19 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया ।

श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा मा स सदस्य संयोजक थे । श्री चंद्रकांत वेलिप, मात्स्यिकी के उप निदेशक, गोवा, श्री प्रदीप वास्ट, मात्स्यिकी के उप आयुक्त, महाराष्ट्र, डॉ आर ए श्रीपदा वैज्ञानिक, सी एस आई आर-एन आई ओ, गोवा, डॉ सलोनी शिवम, वैज्ञानिक, आई सी ए आर - सी एम एफ आर आई, श्री बोध राज, प्रभारी सर्वेक्षक, एम एम डी, गोवा, लेफ्टिनेंट कोम्मोडोर, सुनिल गोपालकृष्णन, गोवा शिपयार्ड लि., श्रीमती एल. ए. मैथ्यू, एम पी टी, मार्मुगोवा, श्री ए ए शेख, एम पी टी, मार्मुगोवा, श्री सिडनी फुरटाडो गोवा नाव मालिक संघ, वास्को, श्री संतोष कोप्पाड, उप मात्स्यिकी निदेशक, कारवार, कर्नाटक, डॉ. सत्य प्रकाश, वैज्ञानिक, आई सी ए आर - सी आई एफ ई, डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स और मार्मुगोवा बेस के कर्मचारी सदस्यों ने बैठक में भाग लिया ।

विशाखापट्टणम बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक

विशाखापट्टणम बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक 9 फरवरी 2018 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट), विशाखापट्टणम में श्री रमा शंकर नाईक, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई । अन्य सदस्यों और प्रेक्षकों की उपस्थिति में तटरेखा समूह ने 2018-19 के लिए बेस के सर्वेक्षण कार्यक्रम को अनुमोदन दिया ।

V) राजभाषा कार्यान्वयन:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 21.03.2018 को भा मा स (मुख्यालय) में डॉ. एल रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा.)/महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में संपन्न हुई । अध्यक्ष ने सभी अनुभागों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और कमियाँ बताई एवं उसे सुधारने के लिए सुझाव दिया ।
- मुंबई बेस की रा भा का स की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 23.03.2018 को मुंबई बेस के सम्मेलन हॉल में श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।
- कोच्चिन बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 28.03.2018 को कोच्चिन बेस कार्यालय में संपन्न हुई ।
- चेन्नई बेस की तिमाही हिंदी समीक्षा बैठक 11.01.2018 को श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।
- राजभाषा कार्यान्वयन के हिस्से के रुप में, पोर्ट ब्लेयर बेस का निष्पादन की समीक्षा 17 मार्च 2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पोर्ट ब्लेयर द्वारा की गई ।

नराकास की बैठक

श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक, कोच्चिन बेस ने 16.01.2018 को कोच्चिन टोलिक द्वारा आयोजित तकनीकी संगोष्ठी में भाग लिया । श्री केवल कृष्णन, निदेशक, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया ।

श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, कोच्चिन बेस, और श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक ने 06.03.2018 को कोच्चिन टोलिक की बैठक में भाग लिया । श्रीमती आर श्रीप्रिया, एम टी एस और श्री के सी जोशी, समुद्री इलेक्ट्रिशियन को कोच्चिन टोलिक द्वारा आयोजित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जीतने के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए ।

भा मा स मुख्यालय द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला:

दैनिक सरकारी कार्य में राजभाषा कार्यान्वयन करने, हिंदी में काम करने के लिए वातावरण पैदा करने और कर्मचारी सदस्यों को प्रेरित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 28.02.2018 को भा मा स (मुख्यालय) में आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई मुख्य अतिथि

रहे और “हिंदी अनुवाद और तकनीकी शब्दावली” पर व्याख्यान दिया । व्याख्यान में हिंदी अनुवाद के लिए सही शब्द चुनने के लिए कुछ सुझाव दिए । इसके अतिरिक्त, अनुवाद में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया । कुल 20 कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

बेस कार्यालय द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला:

- भा मा स का मुंबई बेस द्वारा 08.03.2018 को “सामान्य टिप्पणियां और पत्राचार” पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री बी बालानायक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने विषय विशेषज्ञ श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, बेलापूर का स्वागत किया। बेस के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

- राजभाषा कार्यान्वयन के एक हिस्से के रुप में, एक हिंदी कार्यशाला 06.03.2018 को विशाखापट्टणम बेस में आयोजित की गई । श्रीमती जी दीप्ती, क. हिंदी अनुवादक, आयकर विभाग, डाबा गार्डन, विशाखापट्टणम इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रही और “हिंदी पारिभाषिक शब्दावली के विविध पहलुओं” पर व्याख्यान दिया ।

- पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 23 मार्च 2018 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता विषय विशेषज्ञ रहे । कार्यशाला में अनुवाद और टिप्पणी में व्यावहारिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त, कार्यालय में दैनंदिन सरकारी कार्य में हिंदी का प्रयोग और राजभाषा और इसके कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डाला गया ।
- भा मा स का कोच्चिन बेस द्वारा 20.03.2018 को एक हिंदी कर्मशाला आयोजित की गई। श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक ने हिंदी टिप्पणी एवं शब्दावली पर व्याख्यान दिया। कुल 20 अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुंबई बेस की गृह पत्रिका ‘मत्स्य दर्पण’ के छठा अंक का विमोचन 05.03.2018 को भा मा स मुंबई के सम्मेलन कक्ष में डॉ. एल. रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा)/महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा किया गया । श्री बालनायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक), डॉ. एस के व्दिवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्रीमती नलिनी बागडे, क. अनुवादक, डॉ. डी. ई. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री अमोद तम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक और मुंबई बेस के वैज्ञानिक और कर्मचारी उपस्थित थे । पत्रिका में विज्ञान, साहित्य, धर्म से संबंधित लेख और कर्मचारियों की कविताएं भी शामिल है ।

- भा मा स का कोच्चिन बेस द्वारा 10.01.2018 को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने आधुनिक दुनिया में हिंदी के महत्व के बारे में बताया ।

VI) बैठकों/सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी) की भागीदारी:

- मात्स्यिकी सब्सिडी पर टास्क फोर्स की चौथी बैठक 28.02.2018 को कृषि भवन में ।
- सी एम एफ आर आई, कोच्चि में 09.03.2018 को भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की दूसरी बैठक ।

- मेला मैदान, आई ए आर आई, पूसा, नई दिल्ली में 16-18 मार्च 2018 के दौरान कृषि उन्नति मेला -2018.

VII) प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठकों/सम्मेलन में भागीदारी:

- श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के विकसित गतिविधियों के तहत नए निर्मित/खरीदे गए मत्स्यन नाव का 03.01.2018 और 04.01.2018 को अमकुंज, निम्बुटला, और डिग्लीपूर में निरीक्षण किया ।

- श्री एन उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और बी सतीश कुमार, सहायक अभियंता (एम ई डी) ने 09.01.2018 को सी एम एफ आर आई, कोच्चि में ओखी चक्रवात पर राज्य सरकार को वैज्ञानिक सलाह तैयार करने के लिए वैज्ञानिक संस्थानों की बैठक में प्रतिनिधित्व किया ।

- श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्यौगिकीविद् ने 10.01.2018 को मुख्य भूमि में अध्ययन दौरा के लिए व्दीप के मछुआरों के चयन हेतु मात्स्यिकी निदेशक, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के चैम्बर में हुई बैठक में भाग लिया ।

- श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने 12.01.2018 को राष्ट्रीय केमिकल एवं फर्टिलाइजेसर्स लि. चेम्बूर में संपन्न पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया । सम्मेलन का आयोजन क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम क्षेत्र) सी बी डी, बेलापूर नवीं मुंबई द्वारा किया गया ।

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मा. वैज्ञानिक ने 15.01.2018 को सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के छोटे सम्मेलन कक्ष में अंडमान एव निकोबार व्दीप में टूना मात्स्यिकी के विकास के लिए मात्स्यिकी नीति के प्रारुप के कार्यान्वयन के लिए अगली कार्रवाई का निर्णय लेने हेतु और प्रांरभिक चर्चा करने हेतु बैठक में भाग लिया ।

- डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स, मुख्यालय मुंबई ने 16.01.2018 को तारापोरवाला अक्वेरियम, मुंबई में तारापोरवाला अक्वेरियम की तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया ।

- श्री एस जी पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री ए वी के जोगी राजू, कार्यालय अधीक्षक, श्री अशोक कुमार खिता, यांत्रिक पर्यवेक्षक ने 16.01.2018 को टेकस्टाइल समिति ऑडिटोरियम, मुंबई में सेवानिवृत्ति पूर्व काऊनसेल्लिंग कार्यशाला में भाग लिया ।

- श्री सी धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सिफनेट, विशाखापट्ट्णम में इंजिन ड्राइवर के प्रथम और तृतीय सेमीस्टर परीक्षा में बाहरी परीक्षक के रुप में क्रमश: 16-17 जनवरी 2018 और 23-24 जनवरी 2018 के दौरान भाग लिया ।

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री नशद एम., व. वैज्ञानिक सहायक के साथ 20.01.2018 को एन आई ओ टी, डोलिगंज के नए निर्मित प्रयोगशाला एवं प्रशासनिक भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।

- श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक ने 23.01.2018 को समुद्री जीव विज्ञान और महासागर अध्ययन विभाग, पोन्डिच्चेरी विश्वविद्यालय, ब्रूकशहबाद में श्री रवि रंजन के पी एच डी का मौखिक परीक्षा में भाग लिया ।

- श्री ए. टिबूरशियस, व. मा. वैज्ञानिक और श्री डी. भामी रेड्डी, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा मा स का चेन्नई बेस ने 23.एवं 24 जनवरी 2018 को बंगाल की खाडी कार्यक्रम (बी ओ बी पी- आई जी ओ) द्वारा आयोजित "मत्स्यन पोतों के परिचालन के लिए मर्चेंट जहाज़ों के साथ टकराव को रोकने और मछुआरों और मत्स्यन पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त तंत्र/दिशानिर्देश/विनियामक ढाँचा पर विचार करने के लिए बैठक एवं कार्यशाला" में भाग लिया।

- पोर्ट ब्लेयर बेस ने 24.01.2018 को केन्द्रीय सरकारी समन्वय समिति की बैठक की मेज़बानी की जिसमें डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने भा मा स के पोर्ट ब्लेयर बेस की गतिविधियों पर संक्षिप्त टिप्पणी के साथ प्रारंभिक भाषण दिया ।

- श्री सी एन रायथाथा, प्रवर श्रणी लिपिक, श्री एन. वरधन, आशुलिपिक ग्रेड-I, श्री डोलमणि नाईक, अवर श्रेणी लिपिक, सुश्री कुसुमला यादव, बहु कार्मिक कर्मचारी ने 24.01.2018 से 25.01.2018 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई में "पी एफ एम एस ई आई एस/सी डी डी ओ मोड्यूल" प्रशिक्षण में भाग लिया ।

- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने समुद्री जैविक संघ का विशाखापट्टणमद्वारा सी एम एफ आर आई, विशाखापट्टणम क्षेत्रीय केंद्र में 25 जनवरी 2018 को आयोजित "शोषित टूना संसाधन की वर्तमान स्थिति और इसका वितरण" पर व्याख्यान में भाग लिया ।

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप में मात्स्यिकी सेक्टर के जरिए रोज़गार उत्पन्न करने के लिए प्रस्ताव पर विचार करने हेतु सचिवालय के मिनि सम्मेलन कक्ष, अंडमान निकोबार प्रशासन में 30.01.2018 को संपन्न बैठक में भाग लिया ।

- श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक और श्री एन उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 07.02.2018 को सिफनेट में भारत की कृषि कौशल परिषद, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित दूसरी मत्स्यन कौशल सलाहकारी बैठक में भाग लिया ।

- श्री रामा शंकर नाईक, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आन्ध्र प्रेदश सरकार की अध्यक्षता में 9 फरवरी 2018 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान, विशाखापट्टणम में अन्य सदस्य और प्रेक्षकों की उपस्थिति में विशाखापट्टणम बेस की परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई।

- श्री धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने 15.02.2018 को पेडनागयापालम, भीमिली मंडल, विशाखापट्टणम जिला में “मछुआरों के लिए समुद्र में सुरक्षा पर जागरुकता” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. सिजो पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री स्वप्निल एस शिरके, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक और श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक के साथ 15.02.2018 को सी आई ए आर आई खेल मैदान में क्षेत्रीय कृषि उत्स्व में भाग लिया ।

- श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक ने 15.02.2018 को समुद्री जीवविज्ञान और महासागर अध्ययन विभाग, पोन्डिच्चेरी विश्वविद्यालय, ब्रूकशबाद में श्री वक्राल के पी एच डी सिनोपसिस में भाग लिया ।

- डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने “गहन समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों” के शोषण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जो कि मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्र प्रदेश केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से तैयार की जा रही है को अंतिम रुप दिए जाने के लिए 16 फरवरी 2018 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान में हुई पणधारियों की परामर्शी बैठक में भाग लिया ।

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 21.02.2018 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप की कृषि से संबंधित गतिविधियों की स्थिति एवं संभावनाओं के संबंध में चर्चा करने हेतु 21.02.2018 को सी आई ए आर आई में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।

- श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मछुआरे कल्याण समाज द्वारा 24.02.2018 को चापाला उप्पडा, भीमिली मंडल, विशाखापट्टणम जिला में मछुआरों के लिए जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया और “महासागरीय टूना संसाधनों”, “भारत के समुद्री मत्स्य संसाधनों” और “उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता” (सी सी आर एफ) पर क्रमशः जानकारी दी ।

- श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने 27.02.2018 को नेवल वार कॉलेज, आई एन एस, मंडोवी, गोवा में “मत्स्यन एवं अनुसंधान पोत के परिचालन” पर व्याख्यान दिया और प्रस्तुती दी । सिंधु स्वाध्याय संस्था, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा समुद्री विज्ञान में आयोजित और समन्वित अल्पकालीन पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रस्तुति दी गई।

- डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने केंद्रीय विद्यालय नं 1 वास्को में मुख्य अतिथि के रुप में 28.02.2018 को भाग लिया और “राष्ट्रीय विज्ञान दिवस” के अवसर पर छात्रों के लाभार्थ समुद्री जीव विज्ञान पर व्याख्यान दिया ।

- श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक, चेन्नई बेस ने 2 मार्च 2018 को चेन्नई, में पाचियप्पा कॉलेज के प्राणी विज्ञान के स्थानकोत्तर और अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित “प्राणी विज्ञान संघ के उद्घाटन समारोह” में भाग लिया ।

- श्री डी जयकुमार, माननीय कृषि मंत्री, तमिलनाडु सरकार ने 9 मार्च 2018 को सिफनेट, चेन्नई में सिफनेट, और भा मा स द्वारा पाक खाडी मच्छुआरों के लिए पोत पर टूना को संभालने और गहन समुद्री मत्स्यन में क्षमता निर्माण पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया । श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री वाई थरुमर और डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

- डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 09.03.2018 को भा मा स (मुख्यालय) द्वारा सी एम एफ आर आई, कोच्चि में आयोजित भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुर्नवैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया ।

- श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी. बाबू, व. वैज्ञानिक सहायक, चेन्नई बेस ने 12 एवं 13 मार्च 2018 को चेन्नई में बी ओ बी ओ-आई जी ओ द्वारा आयोजित “भारत में येल्लो फिन और स्किपजेक टूना मात्स्यिकी के लिए मात्स्यिकी निष्पादन संकेतकों की तैयारी पर राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला” में भाग लिया ।

- श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 13.03.2018 को एम्पीडा, कोच्चि में मत्स्यन नाव पर फिश होल्ड के

संस्थापन के लिए वित्तीय सहायता सिफारिश करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया ।

- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "कृषि विस्तार के लिए मास मीडीया समर्थन" स्कीम के अंतर्गत दूरदर्शन मुंबई का कृषि दर्शन कार्यक्रम की कृषि सलाहकार समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया । बैठक 13 मार्च 2018 को चीनी कमीशन, शिवाजी नगर, पूणे में हुई ।
- श्री के गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "मत्स्यन नौकाओं का पंजीकरण और निरीक्षण" पर वाणिज्यिक समुद्री विभाग, विशाखापट्टणम द्वारा 13 मार्च 2018 को सिफनेट, विशाखापट्टणम में आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 14 मार्च 2018 को भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष, हैडो, पोर्ट ब्लेयर में हरी कौशल विकास कार्यक्रम (जी एस डी पी) के समापन समारोह में भाग लिया ।
- डॉ. एस के द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई बेस ने 16-18 मार्च 2018 के दौरान मेला मैदान, आई ए आर आई, पूसा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के "कृषि उन्नति मेला-2018" में भाग लिया ।
- श्री के गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री रामा शंकर नाईक, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार के साथ 27 मार्च 2018 को होटल ग्रैंड बे में मुलाकात की और आंध्र प्रदेश सरकार द्वार कार्यान्वित की जाने वाली "गहन समुद्री मत्स्यन परियोजना" के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की ।

VIII) प्रशासनिक समाचार:

पदोन्नति/स्थानांतरण:

- डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा मा स का मुंबई बेस को उप महानिदेशक (मा.) के पद में पदोन्नति पर 05.02.2018 को भा मा स., मुख्यालय, मुंबई में स्थानांतरित किया गया और 05.02.2018 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक), मुंबई बेस को 05.02.2018 (अपरान्ह) से कार्यालय प्रमुख के रुप में घोषित किया ।
- श्री कार्तिक रामानुजम, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) को भा मा स का मार्मुगोवा बेस से भा मा स का चेन्नई बेस में 06.02.2018 को स्थानांतरित किया गया और 14.02.2018 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री जी इलंगोवन, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) को भा मा स का चेन्नई बेस से भा मा स का मार्मुगोवा बेस में 14.02.2018 को स्थानांतरित किया गया।
- श्री एस जी पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को भा मा स के मार्मुगोवा बेस से भा मा स. मुख्यालय, मुंबई में 26.02.2018 को स्थानांतरित किया गया और 27.07.2018 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री सी मुरुगन, मुख्य अभियंता ग्रेड-। को भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस से भा मा स का चेन्नई बेस में 28.02.2018 को स्थानांतरित किया गया और 01.03.2018 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- डॉ. एल रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा.) ने 05.03.2018 को महानिदेशक (प्रभारी) का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति:

- श्री एस. मोनी, कार्यालय अधीक्षक 31.03.2018 को (अधिवर्षिता) पर सेवानिवृत्त हुए ।

संकलनकर्ता : श्री ए. शिवा, कुमारी राजश्री बी. सनदी, श्री राहुलकुमार बी. टेलर, और डॉ. किरन एस. माली **संपादक** डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला और डॉ. अंशुमान दास
हिन्दी अनुवाद: श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव और डॉ. एस. के. द्विवेदी, **हिंदी सचिवीय सहायता**: श्री विशाल खरात
प्रकाशक: डॉ. एल. रामालिंगम, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेअरी एवं मत्स्यपालन विभाग
न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
दूरभाष 022 - 2215 1865/66 **फैक्स**: 022 - 22188 221; **तार मीना वेबसाईट**: htttp:/fsi.gov.in; **ई-मेल**: dg-fsi-mah@gov.in